दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांकः 08.11.2025

प्रकाशनार्थ

तकनीकी, शिक्षा प्रणाली की सहायक हो सकती है अध्यापक का विकल्प नहीं – प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह

दिनांक 08.11.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के शिक्षक–शिक्षा विभाग में प्राचार्य उद्बोधन एवं नवगठित छात्र परिषद अनुमोदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओमप्रकाश सिंह ने दीप प्रज्वलन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। तत्पश्चात बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की प्रशिक्षु आकर्षिता, अंजलि और वैष्णवी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। इसके उपरांत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) ओमप्रकाश सिंह का स्वागत नवगठित छात्र परिषद की अध्यक्ष आकांक्षा राव एवं मंत्री नेहा दूबे ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया। सहमंत्री आदर्श राव ने माल्यार्पण कर प्राचार्य जी का स्वागत एवं अभिनन्दन किया। स्वागत के इसी क्रम में बी०एड० प्रथम वर्ष की छात्राध्यापिका प्रिया, प्रज्ञा एवं सुधा यादव ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इस अवसर पर प्राचार्य जी ने नवगठित छात्र परिषद (सत्र 2025–26) को अनुमोदित कर स्वीकृति प्रदान करते हुए समस्त पदाधिकारियों के प्रति अपनी शुभकामना व्यक्त की।

कार्यक्रम के दौरान ही विश्व ओज़ोन दिवस–2025 के अवसर पर 'पर्यावरण संरक्षण' विषय पर आधारित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र भी वितरित किया गया। इस प्रतियोगिता में बी०एड० प्रथम सेमेस्टर की छात्राध्यपिका गार्गी त्रिपाठी ने प्रथम स्थान, मुस्कान जायसवाल एवं गंगोत्री जायसवाल ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा ज्ञानेश कुमार नापित, कुन्दन यादव एवं सुधा यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर प्राचार्य जी ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि विश्व धरोहर पर भारतीय संस्कृति, विरासत तथा ज्ञान परंपरा का अमिट प्रभाव रहा है। शिक्षा में बढ़ते हुए तकनीकी प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तकनीकी, शिक्षा प्रणाली की सहायक हो सकती है वो अध्यापक का विकल्प नहीं हो सकती। कविता का पर्याय बताते हुए कहा कि 'क' का अर्थ कल्पना, 'वि' का अर्थ विचार तथा 'ता' का मतलब ताल होता है जिससे एक बेहतर कविता का निर्माण होता है। अंत में प्राचार्य सर ने नवागत प्रशिक्षुओं को योग्य शिक्षक बनने एवं हर परिस्थिति में अपने को सरल बनाते हुए लगातार आगे बढ़ते रहने हेतु अभिप्रेरित किया ।

कार्यक्रम का संचालन बी०एड० प्रथम वर्ष की प्रशिक्षु गार्गी त्रिपाठी एवं प्रांजलि प्रिया ने किया। इस अवसर पर विशाल सिंह, हर्षिता कश्यप, हेमा गुप्ता एवं अन्य प्रशिक्षुओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन बी०एड० प्रथम सेमेस्टर के प्रशिक्षु अजय कुमार ने किया। इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो.(डॉ.) शुभ्रा श्रीवास्तव, वरिष्ठ प्राध्यापक अरुण कुमार तिवारी, डॉ. सुभाष चन्द्र, श्री राकेश कुमार सिंह, श्री प्रदीप यादव, श्री गोपाल सिंह एवं विभाग के परिचर श्री अमरनाथ चौधरी सहित सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क